माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा 2016

A

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) -

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में -

नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम — हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय संस्कृत (तृतीय भाषा)

परीक्षा का दिन

दिनांक

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 154/2015

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नही छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1.

(क) एकपदेन उत्तरत:-

(i) सरस्वतीनदी ।

(ii) प्रयागनगरम् (नदी- संगमेषु) ।

(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरत:-

(i) प्रयागनगरं उत्तरप्रदेशस्य तिष्ठति। (तिसृणां नदीनां संगमे)

(ग) निर्देशानुसारं उत्तरत:-

(i) 'पूज्या' ।

(ii) 'जना:' ।

(iii) 'पवित्रतमा' । (गंगानदी की विशेषता)

(iv) 'सन्ति' । (अस् धातु)

2. (क) एकपदेन उत्तरत:-

(i) 'चाणक्येन' ।

(ii) 'सिद्धान्तशिरोमणौ' ।

(iii) 'सङ्गणकस्य- कृते' ।

(iv) 'चरकसुश्रुतयो:' ।

(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरत:-

(i) भारतसर्वकारस्य राजचिह्नं 'सत्यमेव जयते' अस्ति ।

(ii) राष्ट्रिय शैक्षिकानुसन्धान प्रशिक्षणपरिषद: ध्येयवाक्यं 'विद्ययाऽमृतमश्नुते' वर्तते ।

(iii) कालिदाससदृशानां विश्वकवीनां काव्यसौन्दर्यम् अनुपमम् ।

(ग) शीर्षक:- 'संस्कृतभाषाया: महत्त्व:' या 'भारतीयेषु विभिन्न विभागेषु' या 'महापुरुषस्य महत्त्वानाम्'

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2. (ख) यथा निर्देशं उत्तरत:-

(i) सर्वोत्तमा (भाषा की विशेषता)

(ii) सद्गुणकविशेषज्ञा:

(iii) विचार्य (विचार करके)

(iv) सन्ति (अस, धातु)

3.

चारुनगरात्

11/10/15

पुजनीया: मातृचरणा: !

नमोनम: । अत्र (i) कुशलम् तत्रास्तु । मम विद्यालये (ii) वार्षिकोत्सव: आसीत् । तत्र अहम् एकम् (iii) अभिनयं कृतवान् । मन्त्रिमहोदय: (iv) मुख्यातिथि: रूपेण आगतवान् । मम (v) अध्ययनं सम्यक् चलति । गृहे (vi) सर्वेभ्य: नमोनम: । अहं (vii) पितरम् प्रणमामि ।

(viii) भवदीय:

सुरेश:

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	५.	

पिता – पुत्र! कि (i) करोषि त्वम् ?

पुत्र – (ii) पुस्तकम् पठामि, पितः।

पिता – पुत्र! (iii) आपणम् गत्वा आगच्छसि किम् ?

पुत्र – पितः! (iv) शीघ्रम् लिखित्वा गच्छामि।

पिता – आपणातः (v) फलानि आनय।

पुत्र :– (vi) शतम् रूप्यकाणि यच्छतु।

पिता – (vii) स्यूतम् नीत्वा आपणं गच्छ।

पुत्र – अहं गत्वा शीघ्रम् (viii) आगच्छामि।

"कृपया पृष्ठ उलटिये"

परीक्षक द्वारा प्राप्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

5.

(i) एकः जम्बुकः आसीत् । सः एकदा

(ii) आहारार्थम् वने भ्रमति । एकत्र स द्राक्षालतां

(iii) पश्यति । लतायाम्

(iv) अनेकानि द्राक्षाफलानि सन्ति । तानि

(v) पक्वानि द्राक्षां खादितुम् उपरि

(vi) उत्पतति तथापि फलानि न प्राप्नोति । जम्बुकः

(vii) कुपितः भूत्वा द्राक्षाफलानि दूषयति । अनन्तरं स्वस्थानं

(viii) गच्छति ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

6. "श्लोकलेखनम्"

(i) सेवितव्यो महावृक्षः फलच्छायासमन्वितः ।
यदि दैवात् फलं नास्ति छाया केन निवार्यते ॥

(ii) अमन्त्रमक्षरं नास्ति, नास्ति मूलमनौषधम् ।
अयोग्यः पुरुषः नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभः ॥

7. (i) प्रति + आगच्छति = प्रत्यागच्छति ।
(यण् - स्वर - सन्धि)

(ii) मनोरथः = मनः + रथः
(उत्व - विसर्ग संधि)

(iii) वाक् + ईशः = वागीशः
(जशत्व - व्यञ्जन सन्धि)

8. (i) पीताम्बरं = पीतं च तत् अम्बरं
(कर्मधारय - समासः)

(ii) केशवः गोपालः च = केशवगोपालौ
(द्वन्द्व - समासः)

(iii) प्रतिकूलम् = कूलं - कूलं प्रति
(अव्ययीभाव - समासः)

कृ. पृ. उ.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	9.	(i) लोकहितं मम करणीयं ।
		(ii) अहं गच्छन् या गच्छन्ती न खादामि । (पुल्लिंग) (स्त्रीलिंग)
		(iii) लोके नरत्वं दुर्लभम् ।
		(iv) सा बालिका मधुरं गायति ।
	10.	'अव्यय'
		(i) यथा गुरुः तथा शिष्यः ।
		(ii) ह्य सोमवासरः आसीत् । (ह्स)
		(iii) उच्चैः मा हसतु ।
		(iv) ज्ञानं विना न सुखम्

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

11.

(i) सा गीतां पठति ।
उत्तर → तया गीता पठ्यते ।

(ii) मया नाटकं दृश्यते ।
उत्तर → अहं नाटकं पश्यामि ।

(iii) त्वं कुत्र तिष्ठसि ?
उत्तर → त्वया कुत्र स्थीयते ?

(iv) तेन भोजनं पच्यते ।
उत्तर → सः भोजनं पचति ।

12.

(i) संस्कृतसमाचारः प्रतिदिनं प्रातः पादोनसप्तवादने आगच्छति ।

(ii) अहं सार्ध-अष्टवादने (सार्धाष्टवादने) कार्यालयं गच्छामि ।

(iii) वयं रात्रौ दशवादने शयनं कुर्मः ।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

13.

(i) द्वौ:- द्वौ बालकौ ~~विद्या~~ विद्यालयं गच्छतः।

(ii) 20 = विंशतिः।

14.

(i) पिता ~~सह~~ पुत्रः गच्छतः। (पित्रा)

(ii) त्वं तत्र गच्छ।

15.

(क) एकपदेन उत्तरत:-

(i) सुपुष्टदेह

(ii) अभियुक्तः

(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरत:-

(i) पटाच्छादितं देहं स्कन्धेन वहन्तौ न्यायाधिकरणं प्रति प्रस्थितौ।

(ग) कर्तृपदं ⇒ "उभौ"

(घ) "दुष्करम्" (वहन की विशेषता)

(ङ) "भल्स्यसे"

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

16. (क) एकपदेन उत्तरत:-

(i) पण्डितोजन: (विद्वांसः था बुद्धय:)

(ii) पशुनापि

(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरत:-

(i) परेङ्गितज्ञानफला: बुद्धय: भवन्ति ।

(ग) विशेष्य ⇒ "अर्थ: " ।

(घ) कर्तृपदं ⇒ "नागा: " ।

(ङ) हेर्या:

"कृपया पृष्ठ उलटिये"

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	17.	(क) एकपदेन उत्तरत:-
		(i) "अमात्यराक्षसस्य"
		(ii) "ततस्तत्प्रच्छादनं"
		(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरत:-
		(i) पूर्व राजपुरुषा: गृहजनं गृहेषु निक्षिप्य देशान्तरं व्रजन्ति।
		(ग) अनृतम् (झूठ)
		(घ) "आसीत"
		(ङ) "भीता:"

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	18.	

भावबोधनं

सुक्तिः- " सुप्तस्य सिंहस्य मुखे प्रविशन्ति न मृगाः "
(सोये हुए सिंह के मुख मे मृग प्रवेश नहीं करते हैं।)

भावार्थ :- उपर्युक्तपंक्तयानुसार: मानवस्य शरीरे प्रमुखतम: शत्रु: तस्य देहस्थितो आलस्यं । अर्थात मानवस्य (मनुष्यस्य) देहस्थितो क्रोध: (आलस्यं च) सर्वथा हानिकारक: भवति। विद्वांस: कदापि आलस्यं न करोति । यदा मानव: आलस्यं करोति तदा तत्फलम् अपि दुःखमयं भवति।
परं सुखं अनालस्यं भवति। य: मनुष्य: ~~अल~~ अनालस्य: सहितेन कार्यलग्ना: आसीत, ते अपि सफलतां प्राप्नुवन्त: ।
(उपरोक्त पंक्ति अनुसार मानव शरीर का प्रमुखतम शत्रु उसके देह मे स्थित आलस्य है अर्थात मनुष्य के शरीरस्थ आलस्य सर्वथा हानिकारक है। विद्वान लोग कभी आलस्य नहीं करते। जो मनुष्य आलस्य करता है दुःखद फल प्राप्त करता है)

'कृपया पृष्ठ पलटिये'

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

19.

"अन्वय:"

(i) बलिनां स्निग्धभोजिनाम्

(ii) सदा हि व्यायाम: पथ्यो । (व्यायामो)

(iii) तेषां स शीते च वसन्ते च ।

(iv) पथ्यतम: स्मृत: ।

20.

(i) शरीरस्य आयासजननं कर्म व्यायाम: इति कथ्यते ।

उत्तर -> कस्य आयासजननं कर्म व्यायाम: इति कथ्यते ?

(ii) व्याघ्रं दृष्टवा धूर्त: शृंगाल: अवदत् ।

उत्तर -> व्याघ्रं दृष्टवा धूर्त: क: अवदत् ।

(iii) भार्या गृहकार्ये संलग्ना अस्ति ।

उत्तर -> भार्या कस्मिन् संलग्ना अस्ति ।

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

21.

कथाक्रम संयोजन

(क) (iii) एकस्मिन् वने शृगालः वकः च निवसतः स्म।

(ख) (i) एकदा प्रातः शृगालः वकम् अवदत् — "वं त्वं मया सह भोजनं कुरु।"

(ग) (v) सः वकः भोजनाय अग्रिमदिने शृगालस्य निवासम् अगच्छत्।

(घ) (ii) कुटिलः शृगालः स्थाल्यां वकाय क्षीरोदनम् अयच्छत्।

(ङ) (iv) भोजकाले वकस्य चञ्चुः स्थालीतः भोजनग्रहणे समर्था न अभवत्।

(च) (vi) वकः केवलं क्षीरोदनम् अपश्यत् तु शृगालः सर्वम् अभक्षयत्।

कृपया पृष्ठ उलटिये

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	११:	

(क) (ख)

(i) काका: वायसा:

(ii) सम्प्रति अधुना

(iii) उरग: सर्प:

(iv) अहरह: प्रतिदिनम्

(v) करी गज:

(vi) खर: गर्दभ:

× — समाप्त — × — × —

— × — समाप्त — × —